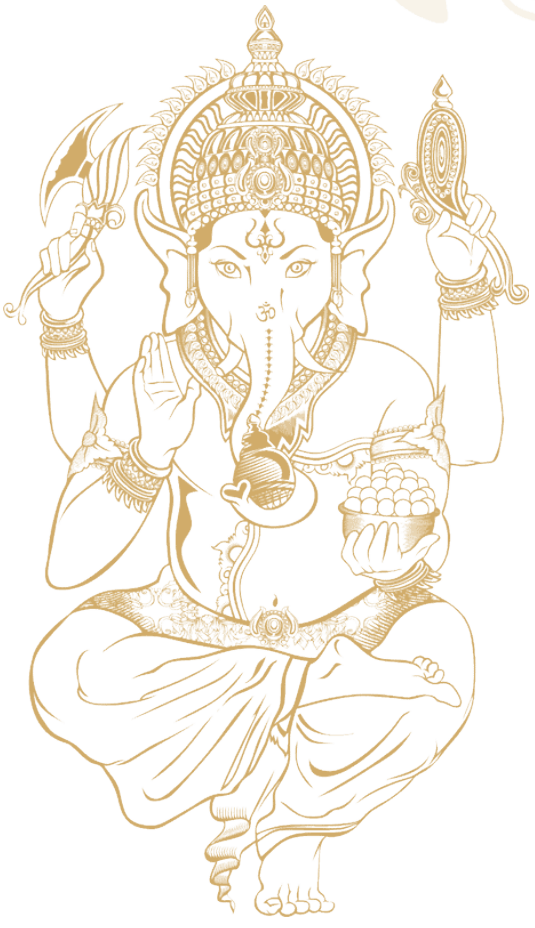

Mr. Ankit Joshi

Ms.abc

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120625104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/03/1995	जन्म तिथि	03/04/2000
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 10:00:00	जन्म समय	19:10:00 घंटे
घटी 08:31:08	जन्म समय(घटी)	32:55:39 घटी
India	देश	India
Chamoli	स्थान	Delhi
30:22:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
79:19:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:12:44	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:32	सूर्योदय	06:09:03
18:13:39	सूर्यास्त	18:40:10
23:47:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 10मा 25दि	29:11:56	मेष	लग्न	कन्या	27:34:23	शनि 16वर्ष 4मा 6दि
सूर्य	20:20:24	कुंभ	सूर्य	मीन	20:14:45	बुध
29/01/2020	03:59:43	मेष	चंद्र	मीन	05:11:31	10/08/2016
28/01/2026	21:48:28	कर्क व	मंगल	मेष	14:33:13	10/08/2033
सूर्य 17/05/2020	23:37:03	मक	बुध	कुंभ	23:10:42	बुध 06/01/2019
चन्द्र 16/11/2020	20:26:53	वृश्चि	गुरु	मेष	15:54:00	केतु 04/01/2020
मंगल 24/03/2021	08:51:59	मक	शुक्र	मीन	02:11:09	शुक्र 03/11/2022
राहु 15/02/2022	21:06:39	कुंभ	शनि	मेष	21:56:25	सूर्य 10/09/2023
गुरु 05/12/2022	12:56:01	तुला व	राहु व	कर्क	07:02:28	चन्द्र 08/02/2025
शनि 17/11/2023	12:56:01	मेष व	केतु व	मक	07:02:28	मंगल 06/02/2026
बुध 22/09/2024	05:11:31	मक	हर्ष	मक	25:54:19	राहु 25/08/2028
केतु 28/01/2025	00:59:16	मक	नेप	मक	12:23:08	गुरु 01/12/2030
शुक्र 28/01/2026	06:48:43	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	18:56:41	शनि 10/08/2033

लग्न-चलित

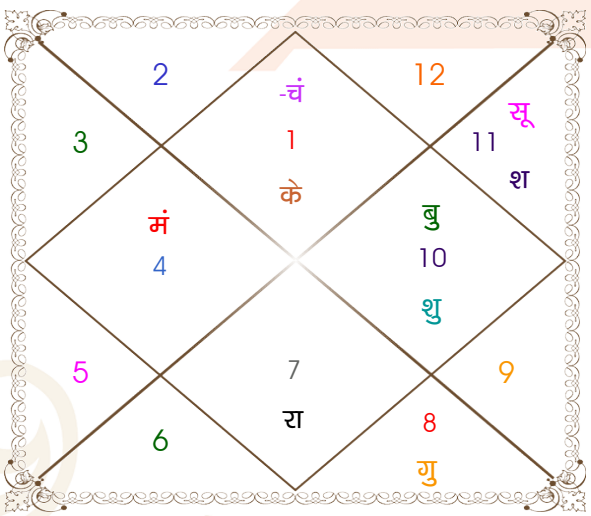

लग्न-चलित

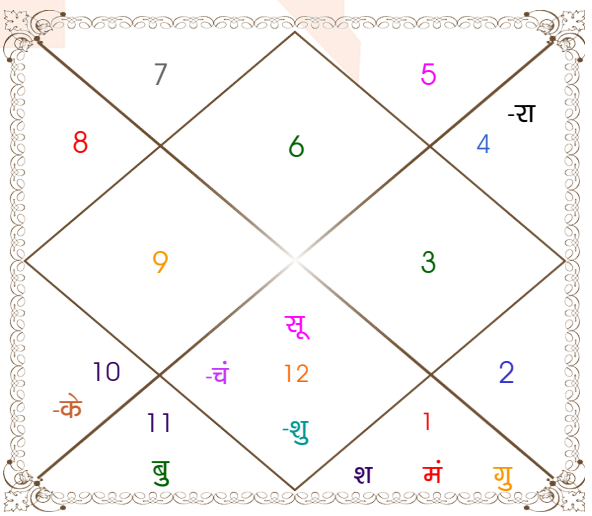

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतए ।दापज श्रवीप का वर्ग सिंह है तथा डेण्इब का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतए ।दापज श्रवीप और डेण्इब का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतए ।दापज श्रवीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतु: सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल डतए ।दापज श्रवीप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतए ।दापज श्रवीप कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्इब मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।

विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्इब कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डेण्इब कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण्इब कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतप ।दापज श्रवेीप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतप ।दापज श्रवेीप तथा डेण्इब में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।